पाठ्यक्रम संरचना सत्र – 2020–21

कक्षा – XII

विषय – इतिहास (101)

सैद्धांतिक – 80

प्रायोजना – 20

क्रमांक	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
I.	**भाग – एक–भारतीय इतिहास के कुछ विषय –I [ई.1–4]**	**24**	**25**
	भूमिका		
1.	ईंटे, मनके तथा अस्थियां : हड़प्पा सभ्यता		
2.	बंधुत्व, जाति तथा वर्ग : आरंभिक समाज		
3.	विचारक, विश्वास और इमारते : सांस्कृतिक विकास		
II.	**भाग – दो भारतीय इतिहास के कुछ विषय –II [ई.5–9]**	**25**	**35**
4.	भक्ति–सूफी परम्पराएँ : परंपराएँ, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ		**13**
5.	किसान, जमींदार और राज्य – कृषि, समाज एवं मुगल साम्राज्य		**13**
III.	**भाग–तीन भारतीय इतिहास के कुछ विषय–III [ई.10–15]**	**25**	**30**
6.	विद्रोही और राज्य : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान		**11**
7.	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन : संविनय अवज्ञा और उससे आगे		**11**
8.	संविधान का निर्माण : एक नये युग की शुरूआत		**12**
9.	दक्षिण कौसल : छत्तीसगढ़ का इतिहास प्रागैतिहासिक काल से 1741 ईसवी तक		**12**
नक्शा कार्य		**06**	**10**
योग		**80**	**100**
प्रोजेक्ट		**20**	**20**
महायोग		**100**	**120**

WWW.STUDIDISCUSS.IN

पाठ्यक्रम संरचना सत्र – 2020–21

कक्षा – XII

विषय – इतिहास (101)

पूर्णांक 100 अंक

सैध्दांतिक 70 अंक
प्रायोगिक 30 अंक

इकाई	इकाई / विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
	भाग I : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 1–4)	24	25
1.	**ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ– हड़प्पा सभ्यता**		
	आरंभ, निर्वाह के तरीके – कृषि प्रौद्यौगिकी, **मोहनजोदड़ों**– नालों का निर्माण, गृह स्थापत्य, दुर्ग **सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन**– शवाधान, 'विलासिता' की वस्तुओं की खोज **शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी**– उत्पादन केन्द्रों की पहचान, **माल प्राप्त करनें संबंधी नीतियाँ**– उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल, सुदुर क्षेत्रों से संपर्क, **मुहरें, लिपि तथा बाट**– मुहरें और मुद्रांकन, एक रहस्यमय लिपि, बाट, **प्राचीन सत्ता**– प्रासाद तथा शासक **सभ्यता का अंत, हड़प्पा सभ्यता की खोज**– कर्निंघम का भ्रम, एक नवीन प्राचीन सभ्यता, नयी तकनीकें तथा प्रश्न, **अतीत को जोड़कर पूरा करनें की समस्याएँ**– खोजों का वर्गीकरण, व्याख्या की समस्याएँ।		
2.	**बंधुत्व, जाति तथा वर्ग**		
	आरंभिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)		
	महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण, बंधुता एवं विवाह– परिवारों के बारें में जानकारी, पितृवंशिक व्यवस्था के आदर्श, विवाह के नियम, स्त्री का गोत्र, माताएँ महत्वपुर्ण थी **सामाजिक विषमताएँ**– उचित जीविका, अक्षत्रिय राजा, जाति और सामाजिक गतिशीलता, एकीकरण, अधिनता और संघर्श, **जन्म के परे**– संपत्ति पर स्त्री और पुरूष के भिन्न अधिकार, वर्ण और संपत्ति के अधिकार, संपत्ति में भागीदारी, **सामाजिक विषमताओं की व्याख्या, साहित्यिक स्त्रोतों का इस्तेमाल**– इतिहासकार और महाभारत, भाषा एवं विषय वस्तु, लेखक और तिथियॉ, सदृशता की खोज **एक गतिशील ग्रंथ।**		
3.	**विचारक विश्वास और इमारतें**		
	सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)		
	साँची की एक झलक, पृष्ठभूमि– यज्ञ और विवाद, यज्ञों की परम्परा, नयें प्रश्न, वाद विवाद और चर्चाएँ, **लौकिक सुखों से आगे**– महावीर का संदेश, जैन धर्म का विस्तार, **बुद्ध और ज्ञान की खोज, बुद्ध की शिक्षाएँ, बुद्ध के अनुयायी, स्तूप**– क्यों बनाएँ जाते थें, कैसे बनाएँ, गये, संरचना **स्तूपो की खोज, मूर्तिकला**– पत्थर में गढ़ी कथाएँ, उपासना के प्रतीक लोक परंम्पराएँ, **नयी धार्मिक परंपराएँ**– महायान बौद्ध मत का विकास, पौराणिक हिन्दु धर्म का उदय, मंदिरों का निर्माण, **क्या हम सब कुछ देख–समझ सकते हैं ?**– अनजाने को समझने की कोशिश, लिखित और दृश्य का मेल न हो तो।		

इकाई	इकाई / विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
	भाग II : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 5–9)	**25**	**35**
	भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ– धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)–		
	धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट– पूजा प्रणालियों का समन्वय, भेद और संघर्ष, **उपासना की कविताएँ– प्रारंभिक भक्ति परंपरा–** तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत, जाति के प्रति दृष्टिकोण, स्त्री भक्त, राज्य के साथ संबंध, **कर्नाटक की वीरशैव परंपरा, उत्तरी भारत में धार्मिक उफ़ान, दुशाले के नए ताने–बानेः इस्लामी परंपराएँ–** शासकों और शासितों के धार्मिक विश्वाास, लोक प्रचलन में इस्लाम, समुदायों के नाम, **सूफ़ीमत का विकास–** ख़ाऩकाह और सिलसिला, ख़ाऩकाह के बाहर, **उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला–** चिश्ती ख़ानक़ाह में जीवन, चिश्ती उपासना : ज़ियारत और कव्वाली, भाषा और संपर्क, सूफ़ी और राज्य, **नवीन भक्ति पंथ– उत्तरी भारत में संवाद और असहमति–** दैवीय वस्त्र की बुनाई : कबीर, बाबा गुरूनानक और पवित्र शब्द, मीराबाई, **धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण।**		
	किसान, ज़मींदार और राज्य– कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी तक)–		
	किसान और कृषि उत्पादन– स्त्रोतों की तलाश, किसान और उसकी जमीन, सिंचाई और तकनीक, फसलों की भरमार, **ग्रामीण समुदाय–** जाति और ग्रामीण माहौल, पंचायतें और मुखियाँ, ग्रामीण और दस्तकार, एक छोटा गणराज्य **कृषि समाज में महिलाएँ, जंगल और कबीले–** बसे हुए गांवों के परे, जंगलों में घुसपैठ **जमींदार, भू–राजस्व प्रणाली, चाँदी का बहाव, अबुल फ़ज़्ल की आइन–ए–अकबरी।**		
	भाग III : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 10–15)	**25**	**30**
	विद्रोही और राज– 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान		
	भूमिका, विद्रोह का ढर्रा– सैन्य विद्रोह की शुरूआत, संचार के माध्यम, नेता और अनुयायी, अफ़वाहे और भविष्यवाणियां, अफ़वाहो में विश्वास कारण **अवध में विद्रोह–** संपूर्ण **विद्रोही क्या चाहते थे?–** एकता की कल्पना, उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ, वैकल्पिक सत्ता की तलाश **दमन, विद्रोह की छवियाँ–** रक्षकों का अभिनन्दन, अंग्रेज औरतें और ब्रिटेन की प्रतिष्ठा, प्रतिशोध और सबक, दहशत का प्रदर्शन, दया के लिए कोई जगह नहीं, राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना,		

WWW.STUDYBISCUSS.IN

इकाई	इकाई / विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
	महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन		
	(सविनय अवज्ञा और उससे आगे)		
	स्वंय की उद्घोषणा करता एक नेता, असहयोग की शुरूआत और अंत– एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी, जननेता **नमक सत्याग्रह**– दाण्डी, संवाद, **भारत छोड़ो, आखिरी, बहादुराना दिन, गाँधी को समझना**– सार्वजनिक स्वर और निजी लेखन, छवि गढना, पुलिस की नजर में, अखबारों से।		
	संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरूआत		
	उथल–पुथल का दौर– संविधान सभा का गठन, मुख्य आवाजें, **संविधान की दृष्टि**– लोगों की इच्छा, **अधिकारों का निर्धारण**– पृथक निर्वाचिका की समस्या, "केवल इस प्रस्ताव से काम चलने वाला नही है", "हमें हजारों साल तक दबाया गया है", **राज्य की शक्तियाँ**– "केन्द्र बिखर जाऐगा", "आज हमें एक शक्मिशाली सरकार की आवश्यकता है" **राष्ट्र की भाषा**– हिन्दी की हिमायत, वर्चस्व का भय		
	दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) का इतिहास		
	भौगोलिक स्थिति, वर्षा, मिट्टी, मौसम, क्षेत्रफल, जिले एवं संभाग, वन, छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ, खनिज संपदा, कृषि, उद्योग, छत्तीसगढ़ का नामकरण। **दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) के प्रमुख राजवंश**– (प्रागैतिहासिक काल से 1741 ई. तक) –ऐतिहासिक परिचय, रामायण काल, बौद्धकाल (ईसा पूर्व छठी शताब्दी), मौर्यकाल, सातवाहन काल गुप्त काल, नल वंश, शरभपुरीय वंश, पाण्डु/सोम वंश, महाशिवगुप्त बालार्जुन, छिंदक नागवंश, कवर्धा का फणि नागवंश, कांकेर का सोमवंश, रतनपुर का कलचुरि (हैहय) राजवंश (990–1741ई.), कलिंगराज (990 से 1020 ई.),कमलराज (1020 से 1045 ई.),रत्नदेव/रत्नराज प्रथम (1045 से 1065 ई.), पृथ्वीदेव प्रथम (1065 से 1090 ई.), जाजल्लदेव प्रथम (1090 से 1120 ई.) रत्नदेव द्वितीय (1120 से 1135 ई.), पृथ्वीदेव द्वितीय (1135 से 1165 ई.), जाजल्लदेव द्वितीय (1165 से 1168 ई.), जगदेव (1168 से 1178 ई.), रतनदेव तृतीय (1178 से 1198 ई.), प्रतापमल्ल (1198 से 1225 ई.), अंधकारयुग, कल्याणसाय (1544 से 1581 ई.), तख्तसिंह, राजसिंह(1689 से 1712 ई.), सरदार सिंह (1712 से 1732 ई.), **भोंसलो का आक्रमण** रघुनाथ सिंह (1732 से 1743 ई.), कलचुरि शासन का अंत, कलचुरी कालीन शासन व्यवस्था, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, **छत्तीसगढ़ में धार्मिक गतिविधियाँ**– वैष्णव मत, शैव मत, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, कबीर पंथ, सतनामी पंथ, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म, **शिक्षा, साहित्य एवं भाषा, कला एवं स्थापत्य,** चित्रकला, मंदिर वास्तु, सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर, भोरमदेव का मंदिर।		
	नक्शा	**06**	**10**
	योग	**80**	**100**
	प्रायोजना अंक	**20**	**20**
	महायोग	**100**	**120**

उपसचिव
छ0 ग0 माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर